बाँसुरी-1
कक्षा 3 के लिए कला की पाठ्यपुस्तक

कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक 'बाँसुरी-1' राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2023 के आधार पर विकसित की गई है। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे पाठ्यचर्या लक्ष्यों को प्राप्त करें। इसके साथ-साथ सीखने के परिणामों के आधार पर एक पाठ्यक्रम विकसित किया गया है। विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.-एस.ई.) 2023 ने कक्षा 10 तक कला के अनिवार्य पाठ्यक्रम विषयों में से एक के रूप में अनुशंसा की है और यह भी अनुशंसा की है कि स्कूल कला के लिए शैक्षणिक सत्र में कम से कम 100 घंटे देना सुनिश्चित करें, जिसमें कला के चार घटक या क्षेत्र — दृश्य कला, संगीत, नृत्य और अंग संचालन तथा रंगमंच हैं। इस प्रकार पाठ्यपुस्तक 'बाँसुरी-1' को चार इकाइयों में विभाजित किया गया है, जिसमें कुल 20 अध्याय हैं। प्रत्येक अध्याय में कई गतिविधियाँ हैं जिन्हें इस कक्षा के बच्चे आपके सहयोग से आसानी से कर सकते हैं। खोज और रचनात्मकता की इस प्रक्रिया में आपको महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इस प्रक्रिया को प्रत्येक बच्चा पूरे शैक्षिक सत्र में अनुभव करेगा।

> शिक्षक हमारे समाज के सबसे अनिवार्य और सम्मानित सदस्य हैं, इसलिए शिक्षा नीति शिक्षकों को सभी स्तरों पर पुनर्स्थापित करने में सहायक होनी चाहिए। चूँकि वे अगली पीढ़ी के नागरिक तैयार करते हैं, इसलिए शिक्षा नीति द्वारा शिक्षकों को सशक्त बनाने हेतु हर संभव प्रयास करना चाहिए और उन्हें उनका कार्य प्रभावशाली ढंग से करने में सहायता प्रदान करनी चाहिए।
>
> — राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, परिचय

क्या आप जानते हैं?

यह पहली बार है कि कला के लिए एक पाठ्यपुस्तक बनाई गई है जो प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत और समूह में काम करने, टिप्पणी करने, लिखने, पढ़ने और बहुत-सी गतिविधियाँ करने के अवसर प्रदान करती है। यद्यपि बच्चे विद्यालयी शिक्षा की प्रक्रिया का औपचारिक हिस्सा बनने से पहले ही गायन, नृत्य,

अनुकरण और लिखना आदि शुरू कर देते हैं तथापि आपके कुशल मार्गदर्शन में संगीत, रंगमंच, नृत्य और अंग संचालन तथा दृश्य कला विषयों से युक्त एक सार्थक कला कक्षा में सम्मिलित होने का यह उनका पहला अनुभव होगा। बच्चों के समग्र विकास के लिए आवश्यक घटकों में से कला भी एक महत्वपूर्ण घटक है और विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.-एस.ई.) 2023 इसे विद्यालय पाठ्यक्रम में एक उचित स्थान देती है। बच्चे अपने कलात्मक अनुभवों के माध्यम से अनेक मूल्य सीखेंगे, जैसे — समूह में एक साथ काम करना, अपने विचारों और भावनाओं को संप्रेषित करना, कक्षा के अपने सभी साथी विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक यात्रा में सम्मिलित करना, एक समावेशी वातावरण में काम करना, अपनी राष्ट्रीय विरासत के प्रति सचेत रहना आदि। सबसे अधिक बढ़कर वे सभी 'बाँसुरी-1' में सुझाई गई गतिविधियों का आनंद लेंगे!

'बाँसुरी' का उपयोग कैसे करें?

यह पाठ्यपुस्तक चार इकाइयों में विभाजित की गई है और इसे बच्चे आसानी से समझ सकें, इसलिए प्रत्येक इकाई को एक अलग रंग दिया गया है। बच्चों को आरंभ में ही बताया जा सकता है कि नीचे दिए गए रंग किस कला के लिए हैं —

- ☞ **पीला** दृश्य कला के लिए है
- ☞ **नीला** संगीत के लिए है
- ☞ **गुलाबी** नृत्य और अंग संचालन के लिए है
- ☞ **बैंगनी** रंगमंच के लिए है

पाठ्यपुस्तक की चारों इकाइयाँ अलग-अलग हैं, लेकिन साथ ही इनमें समानताएँ भी हैं। प्रत्येक इकाई कला के उस रूप के बारे में एक परिचय के साथ शुरू होती है जिसे सीखने वाला अनुभव करेगा। आपके लिए गतिविधियों को व्यवस्थित करने, संसाधनों की खोज करने के लिए प्रत्येक अध्याय के क्यू.आर. कोड विशेष रूप से लगाए गए हैं, जिनको स्कैन करके आप अतिरिक्त संसाधनों तक पहुँच सकते हैं। यदि आपकी पहुँच इंटरनेट तक नहीं है तो ऐसे में आप या तो बच्चों को कला प्रदर्शन स्थलों पर ले जा सकते हैं या स्थानीय कलाकारों, लोक संगीतकारों, नर्तकों एवं अन्य कलाकारों को बच्चों के साथ अंत:क्रिया करने के उद्देश्य से विद्यालय में आमंत्रित कर सकते हैं। कई अभिभावक और समुदाय के अन्य सदस्य जो किसी कला में पारंगत हैं, वे बच्चों के सामने उस कला का प्रदर्शन करने हेतु सहमत हो सकते हैं। विद्यालयों में कलाकारों आदि के साथ वार्ता सत्रों का आयोजन किया जा सकता है, जिनमें बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह बच्चों के लिए प्रेरणाप्रद होगा। बच्चे अपने आस-पास, प्रकृति एवं दैनिक गतिविधियों का अवलोकन करें, इसके लिए आप उन्हें कक्षा से बाहर विद्यालय परिसर में ले जाएँ। नाटक, नृत्य-प्रदर्शन, संगीत समारोह और कला प्रदर्शनी आदि देखने के लिए शैक्षणिक यात्राओं का आयोजन करने से बच्चों को प्रेरित करने में सहायता मिलती है। इस पाठ्यपुस्तक में अनेक गतिविधियाँ सुझाई गई हैं, आप इसमें अन्य गतिविधियों को भी समावेशित कर सकते हैं, जिनमें विषय के अनुरूप

उपलब्ध स्थानीय सामग्री और संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है।

आपकी समय-सारिणी इस तरह से तैयार की जानी चाहिए कि बच्चों को प्रत्येक सप्ताह आवंटित सभी चार कला रूपों के लिए निर्दिष्ट कालांशों का अवसर प्राप्त हो। जहाँ भी संभव हो बच्चों के लिए गतिविधियाँ करने के लिए एक कालांश या दो संयुक्त कालांश रखे जा सकते हैं, क्योंकि सभी गतिविधियाँ काफी आकर्षक एवं आनंददायक होती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सभी विषयों को समान महत्व प्रदान करती है, जिसमें कला भी सम्मिलित है। इसलिए अभिभावकों से अनुरोध है कि वे घर पर बच्चों को कला गतिविधियाँ करने पर हतोत्साहित न करें। शिक्षकों और विद्यालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि समय-सारिणी में कला विषय को प्रदान किए गए समय का उपयोग अन्य विषयों के लिए न किया जाए।

प्रत्येक कला कक्षा की शुरुआत से पहले बच्चे केवल आँख बंद करके पिछली कक्षा में क्या किया गया, उस पर ध्यान दे सकते हैं। कक्षा के अंतिम 10 मिनट चर्चा के लिए रखे जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, रंगमंच इकाई में सुझाव दिया गया है, शिक्षक सभी बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करें, परंतु इस समय यह चर्चा बच्चों के लिए अनौपचारिक होती है। इस समय शिक्षक बच्चों से टिप्पणियाँ ले सकते हैं, जिन्हें वे अगली पाठ्य योजनाओं में सम्मिलित कर सकें।

विभिन्न अवधारणाओं पर बच्चों की समझ विकसित करने के लिए समग्र अधिगम वातावरण प्रदान करने का भाव पाठ्यपुस्तक और शिक्षणशास्त्र में पूर्ण रूप से प्रतिबिंबित होता है। शिक्षक उन्हें समूह में या व्यक्तिगत रूप से कार्य करने में सक्षम बनाने हेतु सहायता करें, जिससे बच्चों को विभिन्न प्रकार के कौशल विकसित करने में सहायता मिल सके। यह प्रक्रिया पुस्तक के सभी चार कला रूपों के लिए लगातार चलती रहे। बच्चों को अपने आस-पास की वस्तुओं का अवलोकन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। साथ ही वे कक्षा में जो कुछ करते हैं, उसका अभ्यास व कला कार्य को घर पर भी जारी रखें।

अपने अवलोकन और चर्चाओं के माध्यम से एक बच्चे में योग्यता और कौशल विकास के स्तर की प्रगति को चिह्नित करने के लिए आकलन के उपाय भी सुझाए गए हैं। कला में उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण के पैमाने का उपयोग न किया जाए, इस स्तर पर कुछ भी अच्छा या बुरा नही हैं, सुधार की संभावना सदैव बनी रहती है और बच्चों को अवधारणाओं की समझ के साथ गतिविधियों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। शिक्षा उनके लिए एक लंबी यात्रा है और हर बच्चा भिन्न है, उनके कौशल और अभिव्यक्ति के तरीके भी भिन्न हैं और यह भिन्नता ही उनके बालपन की सुंदरता है। उनके प्रदर्शन की तुलना कक्षा में किसी से नहीं की जानी चाहिए, अपितु सुधार लाने हेतु उनकी प्रतिस्पर्धा स्वयं से होगी।

कला कक्षा के लिए आपको क्या-क्या चाहिए?

सभी कला गतिविधियों के लिए आपको प्रकाशयुक्त स्थान की आवश्यकता होती है जो कक्षा के अंदर या बाहर हो सकता है, जहाँ बच्चे मुक्त रूप से कला संबंधी गतिविधियाँ कर सकें। आपको रंगमंच में आवश्यक वस्तुओं के लिए सुलभ सामग्री, कला सामग्री, उपकरण और मूलभूत स्टेशनरी, सामग्री को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने के लिए स्थान, साथ ही व्यवस्थित तरीके से विद्यार्थियों की कलाकृति को प्रदर्शित और साझा करने के लिए प्रदर्शन पटल, कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, स्पीकर और संगीत वाद्ययंत्रों आदि की आवश्यकता होगी। सुनिश्चित करें कि वस्तुओं का उपयोग उचित प्रकार से किया जा रहा है और ये स्थानीय रूप से उपलब्ध हैं।

हम आशा करते हैं कि यह पाठ्यपुस्तक प्रत्येक शिक्षक और अभिभावक के लिए उपयोगी, रोचक और संसाधनपूर्ण सिद्ध होगी।